



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 59]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 26, 1977/फाल्गुन 7, 1898

No. 59]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 26, 1977/PHALGUNA 7, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February 1977

G.S.R. 89(E)—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and section 2(q) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 2649 dated the 12th November 1969, the Central Government hereby declares that the limits of the Port of Calcutta and the navigable river and channels leading to the Port of Calcutta shall be as follows.—

Port of Calcutta

- (a) *On the North*.—A line drawn due east across the River Hooghly from a pillar at the southern boundary of Messrs. D. Waldie and Company's Chemical Works and Distillery at Konnagar in the district of Hooghly on the right bank of the river to a pillar on the left bank of the river near Panibati in the district of the 24-Parganas,
- (b) *On the South*.—A line joining Sola Column in position 21°—42'—36" N 87°—48'—17" E (Approx) to 2½ miles south of Saugar Lighthouse and then to Lone Tar and in position 21°—38'—30" N and 88°—15'—42" E.

The limits of the Port include to the east and west of the River Hooghly—

- (a) that part of the River Hooghly and the shores thereof as are within 45.7 metres of high water mark at spring tides,

- (b) all lands, sheds, wharves, quays, permanent way, railway siding, etc., comprised in the area occupied by the Calcutta Jetties, Garden Jetties, Kidderpore Docks, Netaji Subhas Dock, Petroleum Depot at Budge Budge and the adjoining lands in possession of the Calcutta Port Trust and works constructed for the purpose of such jetties, docks and installations
- (c) that of Telly's nala as lies to the west of line drawn across the nala 7.6 metres to the west of Hastings Bridge,
- (d) that part of River Haldi, from entrance to River Hooghly to the line drawn North and South through Haldi South Mark [22'—00'—00" N., 88—02'—49.5" E. (Approx.)] and the shores, thereof within 45.7 metres of the High Water Mark at Spring Tides,
- (e) all lands, sheds, wharves, quays, permanent way, railway siding etc., comprised in the area occupied by Haldia Dock Complex and adjoining lands in possession of the Calcutta Port Trust and works constructed for the purpose, of such dock complex and all installations for allied or incidental purposes

The navigable river and channels leading to the Port of Calcutta shall be as follows—

On the North—400 metres down the River Bhagirathi from the centre line of the Jangipur barrage and 0.8 kilometre up the River Jalangi from its confluence with River Bhagirathi,

On the South—The parallel of latitude 20°—45' N. The limits of the said-river and channels include all parts of the navigable channels which lie between the longitudes of 87°40' E and 88°40' E of River Hooghly and all parts of River Bhagirathi and Hooghly between the northern and southern limits below the highest point reached by ordinary spring tides at any season of the year for tidal portion, and the bed of the river habitually covered by water at any time of the year for the non-tidal portion

[No F. PGL-82/76.]

B B MAHAJAN Jt Secy

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1977

सा० का० नि० 89 (अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 5 और महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 2(थ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना स० मा० का० नि० 2649, तारीख 12 नवम्बर, 1969 को अधिष्ठात करने हुए, यह घोषणा करनी है कि कलकत्ता पत्तन को और कलकत्ता पत्तन तक ले जाने वाली नाव्य नदी तथा सरपियों की सीमाएं निम्न प्रकार होगी.—

कलकत्ता पत्तन

- (क) उत्तर की ओर—हुगली नदी के दाहिने किनारे पर जिला हुगली के कोलनगर स्थित मैमर्स डी वाल्डाई एण्ड कम्पनी के कैमिकल वर्क्स और डिस्टिलरी की दक्षिणी सीमा पर के स्तम्भ से हुगली नदी के आर-पार पूर्व की ओर जिला 24 परगना में पपिहटी के निकट नदी के दाए किनारे तक खींची गयी लाइन;

- (ख) दक्षिण की ओर.— $21^{\circ}-42'-36''$ उ० $87^{\circ}-48-17''$ पू० (लगभग) की स्थिति में सोला कालम को सागर प्रकाश स्तम्भ के $2\frac{1}{2}$ मील दक्षिण में और फिर लोनटार को $21^{\circ}-38'-30''$ उ० तथा $88^{\circ}-15'-42''$ पू० की स्थिति में जोड़ने वाली लाइन ।

पत्तन की सीमाओं में हुगली नदी के पूर्व और पश्चिम में निम्नलिखित भी सम्मिलित है :—

- (क) हुगली नदी का वह भाग और उसके वे तट, जो अमावस्या या पूर्णिमा के बाद के ज्वार के समय उच्च जल चिन्ह के 45.7 मीटर के भीतर है,
- (ख) कलकत्ता जेटियो, गार्डेन जेटियो, किद्दरपुर डाको, नेताजी सुभाष डाक, बज-बज के पेट्रोलियम रिपो द्वारा अधिभोग में रखे गए क्षेत्र में समाविष्ट सभी भूमि, शेड, घाट, क्वे, स्थायी मार्ग, रेलवे, साइडिंग, आदि और साथ लगी हुई भूमि, जो कलकत्ता पत्तन न्यास के कब्जे में है, तथा ऐमी जेटियों डाकें और प्रतिष्ठापनों के प्रयोजनार्थ सन्निमित्त संकर्म ।
- (ग) टोल्ली नाले का वह भाग, जो हेस्टिंग ब्रिज के 7.6 मीटर पश्चिम की ओर नाले के आर-पार खींची गयी लाइन के पश्चिम में है,
- (घ) हन्दी नदी का भाग, हुगली नदी के प्रवेश द्वारा से हन्दी-दक्षिण-चिन्ह [$22^{\circ}-00'-00''$ उ०, $88^{\circ}-02'-49\ 5''$ पू० (लगभग)] से गुजरती हुई उत्तर और दक्षिण में खींची गयी लाइन तक और उसके तट, जो अमावस्या या पूर्णिमा के बाद के ज्वार के समय उच्च जल चिन्ह के 45.7 मीटर के भीतर है ।
- (ङ) हल्दिया या डाक कम्प्लेक्स द्वारा अधिभोग में रखे गए क्षेत्र में समाविष्ट सभी भूमि, शेड, घाट, क्वे, स्थायी मार्ग, रेलवे साइडिंग, आदि और साथ लगी हुई भूमि, जो कलकत्ता पत्तन न्यास के कब्जे में है, और ऐसे डाक कम्प्लेक्स के प्रयोजनों के लिए सन्निमित्त संकर्म तथा सहबद्ध या अनुषंगिक प्रयोजनों के लिए सभी प्रतिष्ठापन ।

कलकत्ता पत्तन तक ले जाने वाली नाव्य नदी और सरणिया निम्न प्रकार की होगी —

उत्तर की ओर—जगीपुर बांध की केन्द्रीय लाइन से भागीरथी नदी के नीचे की ओर 400 मीटर और जलेगी नदी तथा भागीरथी नदी के सगम से जलेगी नदी से 0.8 किलोमीटर ऊपर की ओर ।

दक्षिण की ओर— $20^{\circ}-45'$ उ० अक्षांश के समानान्तर । उक्त नदी और सरणियों की सीमाओं में नाव्य सरणियों के ऐसे सभी भाग, जो हुगली नदी के $87^{\circ}-40'$ पू० और $88^{\circ}-40'$ पू० देशांतरों के बीच पड़ते हैं और ज्वारीय भाग के लिए वर्ष की किसी ऋतु में साधारण अमावस्या या पूर्णिमा के बाद के ज्वार द्वारा पहुँचे उच्चतम बिन्दु के नीचे उत्तरी और

दक्षिणी सीमाओं के बीच भागीरथी और हगली नदी के सभी भाग, तथा
अव्यवस्थित भाग के लिए वर्ष के किसी भी समय जल से अभ्यास न ठका
होगा। नदी का तल, आ जाते हैं ।

[स० फा० पी० जी० एल०-82 76]

वी० बी० महाजन, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977